|  |
| --- |
| 07. Mai 2023 |
| **5. Sonntag der Osterzeit A** |
| Erste Lesung: Apg 6, 1-7; Zweite Lesung: 1 Petr 2, 4-9; Evangelium: Joh 14, 1-12 |
|  |  |  |
| Eröffnung: | GL 329, 1+2+5 | Das ist der Tag |
|  | GL 757, 1+2 | Nun freue dich |
|  | GL 318, 1-3 | Christ ist erstanden |
|  |  |  |
| Kyrie: | GL 157 | Herr, erbarme dich |
|  | GL 163, 7 | Herr Jesus, du rufst |
|  |  |  |
| Gloria: | GL 701 | Lasst uns Gott, dem Herrn |
|  |  |  |
| Antwortgesang: | Ps 33, 1-2.4-5.18-19 |  |
|  | Kehrverse: |  |
|  | GL 56, 1 | Freut euch, wir sind Gottes Volk |
|  | GL 643, 3 | Jubelt dem Herrn, alle Lande |
|  | GL 394 | Laudate Dominum |
|  | oder Lied: |  |
|  | GL 328, 1+5+6 | Gelobt sei Gott |
|  | *Wenn nur die 2. Lesung genommen wird:* |
|  | GL 489, 1+2 | Lasst uns loben |
|  |  |  |
| Halleluja: | GL 175, 2 |  |
|  | Vers: |  |
|  | *So spricht der Herr:* |  |
|  | *Ich bin der Weg und die Wahrheit und das Leben;* |
|  | *Niemand kommt zum Vater außer durch mich.* |
|  |  |  |
| Credo: | GL 456, 1+3 | Herr, du bist … mein Weg |
|  |  |  |
| Gabenbereitung: | GL 281, 3+4 | Ich bin euer Weg geworden |
|  |  |  |
| Sanctus | GL 193 | Heilig |
|  |  |  |
| Agnus Dei: | GL 498, 2+3 | Hier ist das wahre Osterlamm |
|  |  |  |
| Danksagung: | GL 487, 1+5 | Nun singe Lob, du Christenheit |
|  | GL 258, 3 | Er ist der Weg |
|  |  |  |
| Schluss: | GL 761, 2 | Jesu, dir jauchzt alles zu |
|  | GL 763, 1+2 | Sei Siegesfürst, gebenedeit |
|  | oder ein Marienlied |  |